दैनिक

CIN-No-UT4999RJ2020PTC0679
UN NO-200022186

राजस्थान, दिल्ली, छत्तीसगढ़ से एकसाथ प्रकाशित

RNI NO. RAJHIN/2023/89729

मरुधर विशेष

Marudharvishesh@gmail.com

मो. 9653906665

अंक 02/101 | जयपुर | 30 अप्रैल /2025 | बुधवार | मूल्य रु. 5 | पृष्ठ: 04

हमारे गौरव

प्रधान सम्पादक

विशाल यादव

सह-सम्पादक

सुनील कुमार

मरुधर विशेष परिवार (राजस्थान)

हिन्दुस्तान की नई आवाज

दिनेश कुमार लेखी
(कठूमर)

आमिर खान
(डीग)

मो. शकील
(खैरथल तिजारा)

विजय सिंह
(खैरथल तिजारा)

रमेश कुमार
(मुण्डावर)

हीरा राम
(बालोतरा)

सुनील कुमार मेघवाल
(केशोरायपाटन, बूंदी)

सुरेश चन्द्र
(बानसूर)

अरुन कुमार जोशी
(बांसवाड़ा)

जावेद गौरी
(जयपुर)

सीताराम गुप्ता
(कोटपूतली)

रवि शंकर व्यास
(भीलवाड़ा)

भौतिकता एवं आध्यात्मिकता की अक्षय मुस्कान का पर्व

ललित गर्ग

अक्षय तृतीया का पावन पवित्र त्यौहार निश्चित रूप से धमार्राधना, त्याग, तपस्या आदि से पोषित ऐसे अक्षय बीजों को बोने का दिन है जिनसे समयान्तर पर प्राप्त होने वाली फसल न सिर्फ पारिवारिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय उत्साह को शतगुणित करने वाली होगी वरन अध्यात्म की ऐसी अविरल धारा को गतिमान करने वाली भी होगी जिससे सम्पूर्ण मानवता सिर्फ कुछ वर्षों तक नहीं पीढ़ियों तक स्नात होती रहेगी। अक्षय तृतीया के पवित्र दिन पर हम सब संकल्पित बनें कि जो कुछ प्राप्त है उसे अक्षुण्ण रखते हुए इस अक्षय भंडार को शतगुणित करते रहें।

अक्षय तृतीया महापर्व का न केवल सनातन परम्परा में बल्कि जैन परम्परा में विशेष महत्व है। इसका लौकिक और लोकोत्तर-दोनों ही दृष्टियों में महत्व है। अक्षय शब्द का अर्थ है कभी न खत्म होने वाला। संस्कृत में, अक्षय शब्द का अर्थ है ह्यसमृद्धि, आशा, खुशी, सफलताह्न, जबकि तृतीया का अर्थ है ह्यचंद्रमा का तीसरा चरणह्न। इस त्यौहार के साथ-साथ एक अबूझा मांगलिक एवं शुभ दिन भी है, जब बिना किसी मुहूर्त के विवाह एवं मांगलिक कार्य किये जा सकते हैं। विभिन्न सांस्कृतिक एवं मांगलिक ढांचों में ढले अक्षय तृतीया पर्व में हिन्दू-जैन धर्म, संस्कृति एवं परम्पराओं का अनूठा संगम है। इस प्रकार अक्षय तृतीया पर किए गए कार्यों जैसे जप-तप, यज्ञ, पितृ-तर्पण, दान-पुण्य आदि का साधक को अक्षय फल प्राप्त होता है। भगवान आदिनाथ ने ही सबसे पहले समाज में दान का महत्व समझाया था, इसलिए इस दिन पर जैन धर्म के लोग आहार दान, ज्ञान दान, औषधि दान करते हैं। रास्ते चाहे कितने ही भिन्न हों पर इस पर्व त्यौहार के प्रति सभी जाति, वर्ग, वर्ण, सम्प्रदाय और धर्मों का आदर-भाव अभिन्नता में एकता का प्रिय संदेश दे रहा है। आज के युद्ध, आतंक, आर्थिक प्रतिस्पर्धा एवं अशांति के समय में संयम एवं तप की अक्षय परम्परा को जन-जन की जीवनशैली बनाने की जरूरत है।

अक्षय तृतीया इस वर्ष 30 अप्रैल, 2025 को है। भगवान परशुराम का जन्म अक्षय तृतीया के दिन हुआ था, इसलिये भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम का जन्मदिन मानते हैं। वैष्णव मंदिरों में उनकी पूजा की जाती है। महर्षि वेदव्यास ने इसी दिन से महाभारत लिखना शुरू किया था। अक्षय तृतीया के दिन महाभारत के युधिष्ठिर को अक्षय पात्र मिला था। इसकी विशेषता थी कि इसमें भोजन कभी समाप्त नहीं होता था। इसी पात्र से वह अपने राज्य के गरीब व निर्धन को भोजन देकर उनकी सहायता करते थे। इसी आधार पर मान्यता है कि इस दिन किए जाने वाला दान-पुण्य का भी कभी क्षय नहीं होता है। इस दिन साधु-संतों के साथ ब्राह्मणों-गरीबों को भोजन कराकर व वस्त्र दान करने के साथ गायों को हरा चारा खिलाने का विशेष महत्व है। वहीं पक्षियों को परिंडे लगाकर दाने-पानी की व्यवस्था करने से विशेष लाभ मिलता है और भगवान श्री विष्णु की कृपा अपने भक्तों पर हमेशा बनी रहती है।

अक्षय तृतीया विवाहित या अविवाहित महिलाओं के लिए क्षेत्रीय रूप से महत्वपूर्ण है, जो अपने जीवन में पुरुषों की भलाई के लिए या भविष्य में उनकी सगाई होने वाले पुरुष

के लिए प्रार्थना करती हैं। प्रार्थना के बाद, वे अंकुरित चने (अंकुरित), ताजे फल और भारतीय मिठाइयां वितरित करते हैं। यह दिन किसानों, कुंभकारों एवं शिल्पकारों के लिए भी यह बहुत महत्व का दिन है। बैलों के लिए भी बड़े महत्व का दिन है। प्राचीन समय से यह परम्परा रही है कि आज के दिन राजा अपने देश के विशिष्ट किसानों को राज दरबार में आमंत्रित करता था और उन्हें अगले वर्ष बुवाई के लिए विशेष प्रकार के बीज उपहार में देता था। लोगों में यह धारणा प्रचलित थी कि उन बीजों की बुवाई करने वाले किसान के धान्य-कोष्ठक कभी खाली नहीं रहते। यह इसका लौकिक दृष्टिकोण है। अक्षय तृतीया पर महाराष्ट्र के लोग नया व्यवसाय शुरू करते हैं, घर खरीदते हैं और महिलाएं सोना खरीदती हैं। लोग इस त्यौहार को परिवार के साथ मनाते हैं और महाराष्ट्रीयन पूरन पोली (गुड़ और दाल के मिश्रण से भरी चपाती) और आमरस (आम की एक मोटी प्यूरी) से बने नैवेद्य जैसे भोजन का भोग लगाकर देवी-देवताओं की पूजा करते हैं।

ओडिशा में, अक्षय तृतीया आगामी खरीफ सीजन के लिए चावल की बुवाई के शुभारंभ के दौरान मनाई जाती है। यह दिन अच्छी फसल के आशीर्वाद के लिए किसानों द्वारा धरती माता, बैलों और अन्य पारंपरिक कृषि उपकरणों और बीजों की पूजा के साथ शुरू होता है। जगन्नाथ मंदिर के रथ यात्रा उत्सव के लिए रथों का निर्माण भी इसी दिन पुरी में शुरू होता है। तेलुगू भाषी तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में यह त्यौहार समृद्धि और दान से जुड़ा है। सिंहचलम मंदिर में इस दिन विशेष उत्सव अनुष्ठान किए जाते हैं। मंदिर के मुख्य देवता को साल के बाकी दिनों में चंदन के लेप से ढका जाता है और केवल इसी दिन देवता पर लगे चंदन की परतें हटाई जाती हैं ताकि अंतर्निहित मूर्ति दिखाई दे। इस दिन वास्तविक रूप या निज रूप दर्शनम का प्रदर्शन होता है।

लोकोत्तर दृष्टि से अक्षय तृतीया पर्व का संबंध जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभ के साथ जुड़ा हुआ है। तपस्या हमारी संस्कृति का मूल तत्व है, आधार तत्व है। कहा जाता है कि संसार की जितनी समस्याएं हैं तपस्या से उनका समाधान संभव है। संभवतः इसीलिए लोग विशेष प्रकार की तपस्याएं करते हैं और तपस्या के द्वारा संसार की आध्यात्मिक एवं भौतिक दोनों संपदाओं को हासिल करने का प्रयास करते हैं। जैन धर्म में वर्षीतप यानी एक वर्ष तक तपस्या करने वाले साधक इसदिन से तपस्या प्रारंभ करके इसी दिन सम्पन्न करते हैं। यह संसार से मोक्ष की मुस्कान, शरीर को तपाने और आत्मस्थ करने का अवसर है। अक्षय तृतीया तप, त्याग और संयम का प्रतीक पर्व है। इसका सम्बन्ध भगवान ऋषभदेव के युग और उनके कठोर तप से जुड़ा होने से वर्षीतप की परम्परा चली। यह ऋषभ की दीर्घ तपस्या के समापन का दिन है। अपने आदिदेव की स्मृति में जैन धर्म के विभिन्न सम्प्रदायों में असंख्य श्रावक-श्राविकाएं वर्षीतप करते हैं। इस दिन देशभर में आचार्यों और मुनियों के सान्निध्य में अनेक आयोजन होते हैं। इसका मुख्य आयोजन हस्तिनापुर (जिला मेरठ- उत्तर प्रदेश) में श्री शांतिनाथ जैन मन्दिर में एवं प्राचीन नसियांजी, जो भगवान ऋषभ के पारणे का मूल स्थल पर आयोजित होता है, वहां पर देशभर से हजारों तपस्वी एकत्र होते हैं और अपनी तपस्या का पारणा करते हैं। तपस्या को जैन धर्म साधना में अत्यन्त महत्पूर्ण स्थान दिया जाता है। मोक्ष के चार मार्गों में तपस्या का स्थान कम महत्वपूर्ण नहीं है। तपस्या आत्मशोधन की महान प्रक्रिया है और इससे जन्म जन्मांतरों के कर्म आवरण समाप्त हो जाते हैं। जरूरत इस बात की है कि इसकी साधना से जीवन विकास की सीख हमारे चरित्र की साख बने। हममें अहं नहीं, निर्दोष शिशुभाव जागे। यह आत्मा के अभ्युदय की प्रेरणा बने।

अक्षय तृतीया का पावन पवित्र त्यौहार निश्चित रूप से धमार्राधना, त्याग, तपस्या आदि से पोषित ऐसे अक्षय बीजों को बोने का दिन है जिनसे समयान्तर पर प्राप्त होने वाली फसल न सिर्फ पारिवारिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय उत्साह को शतगुणित करने वाली होगी वरन अध्यात्म की ऐसी अविरल धारा को गतिमान करने वाली भी होगी जिससे सम्पूर्ण मानवता सिर्फ कुछ वर्षों तक नहीं पीढ़ियों तक स्नात होती रहेगी। अक्षय तृतीया के पवित्र दिन पर हम सब संकल्पित बनें कि जो कुछ प्राप्त है उसे अक्षुण्ण रखते हुए इस अक्षय भंडार को शतगुणित करते रहें। यह त्यौहार हमारे लिए एक सीख बने, प्रेरणा बने और हम अपने आपको सर्वोतमुखी समृद्धि की दिशा में निरंतर गतिमान कर सकें। अच्छे संस्कारों का ग्रहण और गहरापन हमारे संस्कृति बने। तभी अक्षय तृतीया पर्व की सार्थकता होगी। सनातन धर्म में इसी दिन शादियों के भी अबूझ एवं स्वयंसिद्ध मुहूर्त रहता है और थोक में शादियां होती है। अक्षय तृतीया को आखा तीज भी कहा जाता है। अक्षय तृतीय हिन्दु पंचाग अनुसार वैशाख मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को कहते है। माना जाता है कि इस दिन जो भी कार्य किए जाते हैं वे पुरी तरह सफल होते हैं एवं शुभ कार्यों को अक्षय फल मिलता है। साथ ही यह भी मान्यता है कि अक्षय तृतीया के दिन अपने अच्छे आचरण और सद्गुणों से दूसरों का आशीर्वाद लेना अक्षय रहता है। साथ ही अक्षय तृतीया के दिन सोना खरीदना अत्यंत शुभ माना जाता है तथा गृह प्रवेश, पदभार ग्रहण, वाहन खरीदना, भूमि पूजन आदि शुभ कार्य करना अत्यंत लाभदायक एवं फलदायी होते हैं। इतना ही नहीं अक्षय तृतीया के दिन ही वृंदावन के बांके बिहारी के चरण दर्शन एवं प्रमुख तीर्थ बद्रीनाथ के पट (द्वार) भी अक्षय तृतीया को ही खुलते हैं।

संपादकीय

मोदी का आक्रोश

कश्मीर के पहलगाम में 27 लोगों की नृशंस हत्या से पूरे देश में उबाल है। स्वाभाविक तौर पर देश का हर नागरिक इस हत्याकांड़ का बदला लेने की बात कह रहा है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' में पाकिस्तान के प्रति अपने आक्रोश को साझा किया। उन्होंने कहा कि, 'आज जब मैं आपसे बात कर रहा हूं, तो मेरे मन में गहरी पीड़ा है। पहलगाम में हुई आतंकी वारदात ने देश के हर नागरिक को दुःख पहुंचाया है। पीड़ित परिवारों के प्रति हर भारतीय के मन में गहरी संवेदना है। चाहे वह किसी भी राज्य का हो या किसी भी भाषा बोलता हो, हर भारतीय उन लोगों के दर्द को महसूस कर रहा है, जिन्होंने इस हमले में अपने परिजनों को खोया है। मुझे यह महसूस हो रहा है कि हर भारतीय का खून इस आतंकवादी हमले को देखकर खौल रहा है।' मोदी यह जानते-समझते हैं कि देश इस समय बेहद नाजुक दौर में है। आमजन का गुस्सा सातवें आसमान पर है। ऐसे क्षण में बहुत संजीदगी से कोई भी कदम उठाने की दरकार है। पाकिस्तान को कैसे न भूलने वाला सबक सिखाया जाए, केंद्र सरकार इसी को लेकर रणनीति बनाने में दिन-रात एक किए हुए है। यह हमला कश्मीर में होते रहे हमलों से भिन्न है। हालांकि 'टारगेट किलिंग' पहले भी होती रही है, मगर इस बार धर्म पूछकर गोली मारने की वारदात नितांत हटकर है। जाहिर है आतंकवादियों और पाकिस्तान का मंसूबा भारत में धार्मिक जहर फैलाना था। दूसरी अहम बात यह भी है कि पहलगाम में हुआ यह हमला आतंक के सरपरस्तों की हताशा और कायरता को दशार्ता है। जब कश्मीर में शांति लौट रही थी, स्कूल-कॉलेजों में एक नई ऊर्जा थी, निर्माण कार्यों में अभूतपूर्व गति थी, लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो रही थी, लोगों की कमाई बढ़ रही थी और युवाओं के लिए नये अवसर तैयार हो रहे थे, तो यह स्थिति देश और जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को पसंद नहीं आई। वे नहीं चाहते थे कि कश्मीर में विकास और शांति का यह माहौल कायम रहे। मोदी ने अपने संबोधन में बेहद संतुलित और गंभीर टिप्पणियां की। उन्होंने साफ तौर पर यह कहकर कि दोषियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा, यह संकेत दे दिया कि भारत कुछ बड़ा करने वाला है। देखना है, भारत की जवाबी कार्रवाई किस तरह की होती है। बारम्बार निर्दोष लोगों की हत्या करने वालों को इस बार भारत कुछ ऐसा जवाब दे कि वह दोबारा ऐसा करने की सोचे भी नहीं।

चिंतन-मनन

सबसे बड़ी दौलत

एक विधवा अध्यापिका के दो बेटे थे। वह उन्हें गुरुकुल में अच्छी शिक्षा दिला रही थी। वह खुद भी अनेक बच्चों को संस्कृत पढ़ाती थी। इससे उसे जो कुछ प्राप्त होता था, उसी से वह अपना जीवनयापन करती थी। उसने अत्यंत गरीबी के दिनों में भी कभी किसी के आगे हाथ नहीं फैलाए। उसके स्वाभिमान को देख अनेक लोग अध्यापिका का बहुत आदर करते थे।

एक दिन एक बहुत बड़े सेठ को अध्यापिका की विद्वता व उसकी निर्धनता के बारे में मालूम हुआ। उस सेठ के कोई संतान नहीं थी। उसने सोचा हुआ था कि वह कुछ गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें धन प्रदान करेगा। सेठ अध्यापिका के घर पहुंचा और बोला, देवी, आप निर्भीक व स्वाभिमानी हैं। मैं चाहता हूं कि आपके बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। उसके लिए आप यह कुछ रुपये स्वीकार करें। इसके बाद उसने रुपयों की थैली अध्यापिका की ओर बढ़ाई। अध्यापिका हाथ जोड़कर सेठ से बोली, शायद आपको कुछ भ्रम हो गया है। मैं इतनी गरीब भी नहीं हूं कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा न दे पाऊं। मेरे पास जितनी दौलत है, उतनी शायद ही किसी के पास हो। सेठ अचरज से बोला, कहां है दौलत, जरा हमें भी तो बताइए।

अध्यापिका ने अपने दोनों पुत्रों को आवाज लगाई तो दोनों पुत्र तुरंत वहां आए और अपनी मां के पैर छूने के बाद उन्होंने सेठ के पैर छुए। फिर उन्होंने मां से पूछा, कहिए कैसे याद किया? दोनों पुत्रों की ओर देखकर अध्यापिका बोली, यही दोनों मेरी सबसे बड़ी दौलत हैं। दोनों लड़कों को देखकर सेठ अभिभूत हो गया और बोला, बिल्कुल सही। वास्तव में जिसकी संतान संस्कारी और गुणी है, वह कभी गरीब हो ही नहीं सकता। अध्यापिका ने सेठ से कहा, जो कुछ आप मुझे देने आए हैं, उसे अनाथ बच्चों को शिक्षित करने के लिए दे दें। सेठ ने वैसा ही किया।

मक्खन के नगला में पागल कुत्तों का आतंकः मंगलवार को आठ लोगों को काटकर किया लहुलूहान

पिछले दो माह में तीन दर्जन लोगों को अपना बन चुके हैं शिकार

मरुधर विशेष

दिनेश लेखी कठूमर। उपखंड क्षेत्र के ग्राम मख्खन का नंगला में एक पागल कुत्ते ने आतंक मचा रखा है। उसने मंगलवार प्रातः एक के बाद एक कुल आठ लोगों को काट लिया, सभी घायलों का इलाज सीएचसी कठूमर में किया गया है। इस घटना के बाद गांव में डर का माहौल है। कठूमर सीएचसी प्रभारी डॉ जवाहर सैनी ने बताया कि मख्खन

का नंगला गावं मे पागल कुत्ते के काटने से अशोक पुत्र प्रभु (48), भगवान सहाय पुत्र रूपचंद (55), शंकर पुत्र राम अवतार (41), नरेश पुत्र प्रभु दयाल (51), बृजमोहन पुत्र श्री चंद (63), चंद्रवती पत्नी सत्य प्रकाश सैनी (45), लहरी प्रसाद पुत्र किशन लाल (72), मीरा पत्नी गोविंद अवस्थी (50)को कुत्ते ने जगह जगह से जख्मी कर दिया। जिनका इलाज किया गया।

इस संबंध में ग्रामीणों का कहना है कि दो माह पूर्व एक कुत्ता पागल हो गया था और उसने धीरे-धीरे गांव के दुधारू पशुओं को काटना शुरु कर दिया इसके बाद आमजन को भी अपनी चपेट में लेना आरंभ कर दिया और अन्य कुत्तों को भी काटने लगा इससे गांव के 30-40 कुत्तों में से आधे पागल हो गए और धीरे-धीरे गांव के 30-35 लोगों को काट लिया।

वही मंगलवार सुबह 5:00 घूमने जा रहे लोगों पर हमला कर दिया इससे अफरा तफरी मच गई और कई बुजुर्ग जमीन पर गिर गए और इस पागल कुत्ते ने आतंक मचाते हुए आठ जनों को जगह-जगह से खा लिया इनमें से कईयो के मांस ऊभर आया।

तकनीक और श्रमिक सुरक्षा का भविष्य

श्वेता गोयल

विश्वभर में कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण विषय है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के अनुसार, दुनियाभर में हर साल लगभग 2.93 मिलियन श्रमिक कार्यस्थल पर दुर्घटनाओं या व्यावसायिक बीमारियों के कारण अपनी जान गंवाते हैं और लगभग 395 मिलियन गैर-घातक चोटें तथा बीमारियां दर्ज की जाती हैं। इसके अलावा, हालिया रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 2.41 बिलियन श्रमिक अत्यधिक गर्मी के संपर्क में आते हैं, जो विशेष रूप से बाहरी कार्य क्षेत्रों जैसे निर्माण, कृषि और परिवहन उद्योगों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए एक बड़ा खतरा बन गया है।

अत्यधिक गर्मी के परिणामस्वरूप हर साल लगभग 23 मिलियन चोटें और 18970 मौतें होती हैं। यह समस्या जलवायु परिवर्तन की वजह से और भी गंभीर होती जा रही है क्योंकि पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है और अधिक चरम मौसम की घटनाएं हो रही हैं। ये आंकड़े यह दशार्ते हैं कि कार्यस्थलों पर स्वास्थ्य और सुरक्षा उपायों को सुदृढ़ करना कितना आवश्यक है। भारत में कार्यस्थल सुरक्षा और स्वास्थ्य की स्थिति वैश्विक स्तर पर चिंता का एक विशेष कारण है। भारत की लगभग 90 प्रतिशत श्रम शक्ति असंगठित क्षेत्र में कार्यरत है, जहां औपचारिक सुरक्षा मानकों और स्वास्थ्य प्रबंधन प्रणालियों का अभाव है। असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों को अत्यधिक गर्मी, असुरक्षित मशीनरी, अपर्याप्त सुरक्षात्मक उपकरण और कार्यस्थलों पर बुनियादी सुविधाओं की कमी जैसे खतरों का सामना करना पड़ता है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के आंकड़ों के अनुसार, भारत में हर साल लगभग 48 हजार श्रमिक कार्यस्थल दुर्घटनाओं के कारण अपनी जान गंवाते हैं। यह आंकड़ा न केवल दुखद है बल्कि एक मजबूत प्रणाली की तत्काल आवश्यकता को भी रेखांकित करता है, जो सभी श्रमिकों के लिए न्यूनतम सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करे। भारत सरकार ने कार्यस्थल सुरक्षा को सुधारने के लिए 'व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता, 2020' लागू किया है, जो पुराने 13 श्रम कानूनों का एकीकरण है। कार्यस्थल सुरक्षा और स्वास्थ्य की स्थिति को लेकर वैश्विक आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि कार्यस्थलों पर स्वास्थ्य और सुरक्षा के उपायों में बड़े सुधार की आवश्यकता है। कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कि सभी श्रमिकों को सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण प्राप्त हो, प्रतिवर्ष 28 अप्रैल को 'कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए विश्व दिवस' मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य न केवल जागरूकता फैलाना है बल्कि सरकारों, नियोक्ताओं और श्रमिक संगठनों को यह याद दिलाना भी है कि कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य श्रमिकों का मूलभूत अधिकार है। कोविड-19 महामारी के बाद दूरस्थ कार्य का चलन तेजी से बढ़ा है, जिससे श्रमिकों को अकेलेपन, कार्य-जीवन संतुलन के बिगड़ने और निरंतर डिजिटल जुड़ाव के तनाव जैसे नये मानसिक स्वास्थ्य जोखिमों का सामना करना पड़ रहा है। कार्यस्थलों को मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रणालियां विकसित करनी चाहिए, जिनमें काउंसलिंग, लचीलापन-संबंधी प्रशिक्षण और कार्यस्थल पर सहायक वातावरण शामिल हों। जलवायु परिवर्तन भी एक प्रमुख चुनौती के रूप में उभर रहा है। तापमान में वृद्धि, वायु गुणवत्ता में गिरावट, और चरम मौसमी घटनाओं के कारण बाहरी कार्य करने वाले श्रमिकों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, यदि तापमान वृद्धि को सीमित नहीं किया गया तो वर्ष 2030 तक हर साल अत्यधिक गर्मी से वैश्विक अर्थव्यवस्था को 2.4 ट्रिलियन डॉलर तक का नुकसान हो सकता है, जिसका प्रमुख प्रभाव श्रमिक उत्पादकता पर पड़ेगा। इससे श्रमिकों के स्वास्थ्य और आजीविका दोनों पर खतरा मंडराने लगा है।

एआई और डिजिटल तकनीकों का जिम्मेदार उपयोग कर हम कार्यस्थलों को सुरक्षित और उत्पादक बना सकते हैं। इसके लिए विभिन्न उपाय अपनाए जा सकते हैं, जैसे जोखिमों की पूर्वानुमान और प्रबंधन के लिए उन्नत डेटा विश्लेषण का उपयोग, खतरनाक कार्यों में रोबोट्स और ऑटोमेशन का प्रयोग, कर्मचारियों की निगरानी और प्रशिक्षण के लिए वर्चुअल रियलिटी और ऑगमेंटेड रियलिटी का प्रयोग और कार्यस्थल की परिस्थितियों की निगरानी के लिए स्मार्ट उपकरणों तथा सेंसरों का उपयोग। इसके अलावा, श्रमिकों को नई तकनीकों के उपयोग हेतु प्रशिक्षित करना भी जरूरी है। वर्तमान समय में श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए ट्रेड यूनियनों और सामाजिक संगठनों की भूमिका भी महत्त्वपूर्ण हो गई है। उन्हें न केवल श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए बल्कि नई तकनीकों के कार्यस्थल पर प्रभाव के संबंध में श्रमिकों को जागरूक भी करना चाहिए। यदि हम आज कार्यस्थल सुरक्षा और स्वास्थ्य में निवेश करते हैं तो हम न केवल श्रमिकों के जीवन को बचा सकते हैं बल्कि अधिक समावेशी और सुरक्षित और टिकाऊ भविष्य भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

नालंदा में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, 30 राउंड फायरिंग और साथी को छुड़ाकर हुए फरार

नालंदा (एजेंसी)। जिले के इस्लामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ी गांव में मंगलवार को पुलिस और अपराधियों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई। दोनों ओर से करीब 30 राउंड से अधिक गोलियां चलीं, जिसमें एक कुख्यात अपराधी लाल बादशाह को उसके साथियों ने पुलिस हिरासत से छुड़ाकर फरार हो गए। इस घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। हिलसा डीएसपी-2 गोपाल कृष्ण के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि कुख्यात लाल बादशाह अपने साथियों के साथ बड़ी गांव में मौजूद है और नशीले पदार्थों का सेवन कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और लाल बादशाह सहित चार अपराधियों को हिरासत में ले लिया। इसी दौरान उसके अन्य साथियों ने घात लगाकर पुलिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की और मुठभेड़ में दोनों ओर से गोलियों की बौछार हुई। हालांकि, इस गोलीबारी में कोई पुलिसकर्मी घायल नहीं हुआ और एक दरोगा व सिपाही बाल-बाल बचे। हमले के बाद अपराधी हिरासत में लिए गए चारों बदमाशों को छुड़ाकर फरार हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए करीब एक दर्जन थानों की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। मौके पर वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद हैं। हालांकि, फिलहाल पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

पुणे में नकली नोटों के रैकेट का पर्दाफाश, 28 लाख रुपये के नकली नोट जब्त

पुणे (एजेंसी)। पुणे के शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन के साइबर दस्ते ने नकली नोट छापने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में पुलिस ने 28 लाख 66 हजार रुपये के 200 और 500 रुपये के नकली नोट और 2 लाख रुपये के असली नोट जब्त किए हैं। इस मामले में शिवाजीनगर पुलिस ने आरोपी मनीषा ठाणेकर, नरेश शेट्टी, भारती गवंड तथा प्रभु गूगलजेडी को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों को कोर्ट ने 29 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार 17 अप्रैल को कोटक महिंद्रा बैंक ने शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके बैंक की सीडीएम मशीन में 200 रुपये के 55 नकली नोट जमा हुए हैं। इसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। इस मामले की जांच करते हुए पुलिस ने आरोपी मनीषा ठाणेकर को गिरफ्तार किया। जब आरोपी मनीषा ठाणेकर से गहनता से पूछताछ की गई तो उसने पुलिस को बताया कि उसे कोल्हे नाम के व्यक्ति से नकली नोट मिले थे। इसके बाद जब पुलिस ने उसके बारे में और पूछताछ की तो पता चला कि उसका नाम रमेश भीमप्पा शेट्टी (निवासी लोहेगांव) है। उसके घर पर छापा मारने पर पुलिस को घर में 200 रुपये के नोटों के 20 बंडल मिले। जिनकी बाजार कीमत 4 लाख रुपये है। जबकि, उन्हें दो लाख, 4 हजार असली नोट मिले। इसके साथ ही पुलिस ने 200 रुपये के 648 नकली नोट जब्त किए। पुलिस को 500 रुपये के कुल 2,232 छपे हुए नकली नोट मिले। जो 22,32,000 रुपये है। पुलिस उपायुक्त संदीप सिंह गिल ने कहा, पुलिस ने नोट छापने के लिए इस्तेमाल की गई स्याही, खाली कागज और नकली नोट छापने के लिए इस्तेमाल किए गए प्रिंटर को जब्त कर लिया है। आरोपी भारती गवंड से 60,000 रुपये के नकली नोट, आरोपी मनीषा ठाणेकर (पाटिल) से 200 रुपये और 20,000 रुपये के नकली नोट, सचिन यमगर से 200 रुपये मूल्य के 20,000 रुपये के नकली नोट जब्त किए गए हैं। जब नरेश शेट्टी से आगे की जांच की गई, तो यह बात सामने आई कि आरोपी प्रभु गूगलजेडी ने इस अपराध में मदद की थी। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लिया और उससे पूछताछ की।

बिजनौर में तेंदुए का आतंक...किसान पर किया जानलेवा हमला

बिजनौर (एजेंसी)। बिजनौर में तेंदुए का आतंक देखने को मिला है। गांव दयालपुर निवासी कुक्कू सिंह अपने खेत में चारा काटने के लिए गए थे। जब वे चारा काट रहा था तभी पीछे से आए तेंदुए ने उनपर हमला कर खींचकर अपने साथ खेत में ले जाने लगा। लेकिन तभी किसान ने हिम्मत दिखाकर शोर मचा दिया, किसान का शोर सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे किसान लाठी डंडे लेकर खेत में पहुंच गए। लोगों की भीड़ देखकर तेंदुआ किसान को घायल अवस्था में छोड़कर खेतों में जाकर छुप गया। तुरंत मौके पर मौजूद अन्य लोगों ने घायल किसान उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। यहां से उनकी हालत को गंभीर देखकर उन्हें बिजनौर मेडिकल में रेफर किया गया है। वहां पर उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस और वन विभाग की टीम ने पहुंचकर किसानों को नसीहत देकर कहा कि वह खेत में जाते समय सचेत रहें और अकेले खेतों में ना जाएं, जब भी जाएं समूह में जाएं। फिलहाल वन विभाग की टीम खेत के आसपास पिंजरा लगाकर गुलदार को पकड़ने की बात कर रही है।

पंजाब में पाकिस्तानी महिला अचानक गायब, पुलिस को नहीं जानकारी कहां गई

गुरदासपुर (एजेंसी)। पंजाब के गुरदासपुर से पाकिस्तानी महिला अचानक गायब हुई है। वह 6 महीने की गर्भवती भी है। शादी के बाद उसका पहला बच्चा होना है। हालांकि आतंकी हमले के बाद भारत सरकार के वीजा रद्द करने पर पंजाब पुलिस ने महिला को पाकिस्तान जाने को कहा था। इतना ही नहीं पुलिस ने पाकिस्तान न लौटने पर गिरफ्तार करने की चेतावनी दी गई थी। हालांकि, महिला ने भारत सरकार के गृह मंत्रालय से अपील की थी कि उसका लॉन्ग टर्म वीजा (एलटीवी) मंजूर कर मुझे यहीं रहने दिया जाए। इस बारे में मारिया ने कहा... मैं वापस नहीं जाना चाहती हूं। मैं यहीं अपने ससुराल में ही रहना चाहती हूं। मैं गर्भवती भी हूं। मेरी मोदी सरकार से अपील है कि मुझे यहां रहने की परमिशन दे। रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तानी गर्भवती महिला मारिया गुरदासपुर के सठियाली स्थित सरकारी अस्पताल में गई थी। जहां गायनोकॉलोजिस्ट ने उसका चेकअप भी किया।

इजरायल ने दिखाई दिलेरी कहा- भारत को जो चाहिए हम देंगे, पर आतंकियों का सफाया कर दो

नई दिल्ली (एजेंसी)। हमास जैसे आतंकियों के खिलाफ लड़ रहे इजरायल ने भारत के प्रति दिलेरी दिखाई है। इजरायल ने साफ कहा कि भारत को जो चाहिए हम देंगे, लेकिन आतंकियों का चुन चुनकर सफाया होना चाहिए। ये पूरी दुनिया के लिए बड़ा खतरा है इसलिए हर एक देश को आतंक के खिलाफ जंग लड़ने की जरुरत है। तभी दुनिया में शांति स्थापित होगी।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद से इजरायल लगातार भारत के संपर्क में है। इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की तुलना 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हुए हमास के हमले से की। उन्होंने कहा कि वे भारत के आत्मरक्षा के अधिकार का पुरजोर समर्थन करते हैं। पहलगाम हमले को पिछले दो दशकों में नागरिकों पर सबसे घातक हमलों में से एक माना जा रहा है। अजार ने कहा कि इजरायल भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को हर संभव सहायता प्रदान करने को तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि इजरायल आतंकवाद से निपटने के लिए भारत के साथ खुफिया जानकारी, टेक्नोलॉजी, और अन्य क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अजार ने कहा, हम भारत को यह सलाह देने की स्थिति में नहीं हैं कि उसे क्या करना चाहिए, क्योंकि भारत सरकार और उसकी सुरक्षा एजेंसियों को अच्छी तरह से पता है कि उन्हें सीमा पार स्थिति आतंकवाद से कैसे निपटना है। उन्हें इससे निपटने की पूरी जानकारी है। लेकिन सामान्य तौर पर, हम तकनीकी और खुफिया सहयोग के जरिए भारत के साथ काम करना जारी रखेंगे। एक इंटरव्यू में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने कहा, हम भारत के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन करते हैं। भारत जानता है कि उसे क्या करना है। यह एक संप्रभुता का मामला है। देशों को आत्मरक्षा का अधिकार है, और भारत के पास वह पूरा हक है। भारत को पूरी छूट है कि वह अपने तरीके से जवाब दे। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी मजबूत नीति दिखाई है और हमारा मानना है कि भारत आतंकवाद के सामने कभी नहीं झुकेगा।

पहलगाम हमले को लेकर उन्होंने गहरी संवेदना जताई। उन्होंने कहा कि इस हमले की क्रूरता ने उन्हें इजरायल पर 7 अक्टूबर को हुए हमले की याद दिला दी। इजरायली दूत ने कहा, पहलगाम में लोगों के सिर में गोली मारी, धार्मिक आधार पर चुनकर हमला किया, हनीमून पर गए पर्यटकों को निशाना बनाया गया। यह वही आतंक है, जिससे हम गुजर चुके हैं। हमने देखा है कि कैसे त्योहार में शामिल लोगों को, घर में सो रहे मासूमों को आतंकियों ने मौत के घाट उतारा। उन्होंने कहा, सुबह 6.30 बजे जब हमास के आतंकवादी आए, तब लोग म्यूजिक फेस्टिवल में जा रहे थे, अपने घरों में थे, अपने बिस्तरों में सो रहे थे, और उन्हें मार डाला, उनके साथ बलात्कार किया और उन्हें जला दिया।

सामुहिक विवाह की सभी तैयारियां पूर्ण आज होगा सामुहिक विवाह :14 जोड़े बंधेंगे विवाह सूत्र मे!

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा बांसवाड़ा: 29 अप्रैल, समस्त ब्राह्मण एवं सर्व समाज सामुहिक विवाह समिति उदयपुर के संत एच आर पालीवाल के सानिध्य मे 11वा सामुहिक विवाह समस्त ब्राह्मणों एवं सर्व समाजों का अक्षय तृतीया 30 अप्रैल को एक दिवसीय आयोजन प्रातः 9 बजे से सांय 6 बजे तक उदयपुर के सेक्टर 5 मे गायत्री नगर चौराहा पर आयोजित होगा।सामुहिक विवाह मे भीलवाड़ा चित्तौड़गढ़ कोटा नाथद्वारा तापी (गुजरात) केसिंगपूरा चीलोंडा (गुजरात) पीपल खूंट (प्रतापगढ़) पुरोहितों की मादडी कांकरोली (राजसमंद) बेडवास आदि स्थानों से जोड़े विवाह सूत्र मे बंधने आ रहे हैं। समिति के हीराभाई चंदानी ने बताया कि सभी जोड़ों को एक-एक ऐस डी ओ कन्वर्ट 200 स्क्वेयर प्लॉट, एक-एक ऐक्टिवा माडल इलेक्ट्रिक स्कूटी, सोने व चांदी की एक-एक रकम के साथ एक-एक पेटी वाला पलंग, आलमारी 6 फीट, ड्रेसिंग टेबल, कुर्सी, स्लीप वेल कंपनी का डनलप गद्दा व तकिया, रसोई बर्तन एवं कई उपहार सामग्री सहयोग स्वरुप दिये जायेंगे। विवाह आयोजन मे कई समाजसेवी एवं सरकारी अधिकारी भाग लेंगे। उक्त जानकारी समिति के बांसवाड़ा प्रभारी नवनीत त्रिवेदी ने दी।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने लिया फैसला, लोगों की सुरक्षा को लेकर पर्यटक स्थल किए बंद

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर सरकार ने सुरक्षा के मद्देनजर दर्जनों रिसॉर्ट और मशहूर पर्यटक स्थलों को बंद कर दिया है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद यह फैसला लिया गया है। खूबसूरत इलाके में, जो अपनी शांत वादियों और ऊंचे पहाड़ों के लिए जाना जाता है, करीब 48 रिसॉर्ट बंद कर दिए गए हैं। दूधपात्री और वेरीनाग जैसे कई पर्यटन स्थल अब पर्यटकों के लिए बंद कर दिए गए हैं।

जानकारी के मुताबिक जम्मू-कश्मीर सरकार ने सुरक्षा एजेंसियों की सलाह पर यह फैसला किया है। कश्मीर में आतंकी हमलों की आशंका को लेकर खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी थी, इसी वजह से 87 में से 48 पर्यटक स्थानों को बंद कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि पहलगाम में हुए हमले के बाद घाटी में कुछ आतंकी सक्रिय हो गए हैं और वह हमला कर सकते हैं।

खुफिया जानकारी के मुताबिक पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा बलों द्वारा आतंकियों के घरों को उड़ाने का बदला लेने के लिए टीआरटी संगठन कुछ खास लोगों की हत्या और बड़े हमले की योजना बना रहा है। इसी वजह से गुलमर्ग, सोनमर्ग और डल झील जैसे संवेदनशील पर्यटन स्थलों पर पुलिस की खास टीमें और एंटी फिदायीन दस्ते तैनात कर दिए गए हैं। आमतौर पर घाटी में आतंकी घटनाओं के बाद सुरक्षा बढ़ा दी जाती है।

इस हमले का असर कश्मीर के हर क्षेत्र पर पड़ सकता है, लेकिन सबसे ज़्यादा नुकसान पर्यटन को हो सकता है। इससे कश्मीर की अर्थव्यवस्था, जो कई सालों की मेहनत के बाद थोड़ी ठीक हो रही थी, फिर से कमजोर हो सकती है। साथ ही कश्मीर के लोगों की कमाई पर भी इसका बुरा असर पड़ सकता है।

पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने के फैसले पर भड़कीं महबूबा मुफ्ती, बताया अमानवीय

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ़्ती ने केंद्र से उन पाकिस्तानी नागरिकों को निर्वासित करने के अपने फ़ैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया, जिन्होंने भारतीयों से शादी की है और 30-40 साल से यहाँ रह रहे हैं। इस कदम से गंभीर मानवीय चिंताएँ पैदा होने पर ज़ोर देते हुए मुफ़्ती ने कहा कि ज़्यादातर प्रभावित महिलाएँ हैं जो लंबे समय से समाज का हिस्सा रही हैं। पीडीपी प्रमुख ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत से सभी पाकिस्तानी नागरिकों को निर्वासित करने के हालिया सरकारी निर्देश ने गंभीर मानवीय चिंताएँ पैदा की हैं, ख़ास तौर पर जम्मू-कश्मीर में। प्रभावित होने वाली कई महिलाएँ हैं जो 30-40 साल पहले भारत आई थीं, भारतीय नागरिकों से शादी की, परिवार बनाए और लंबे समय से हमारे समाज का हिस्सा रही हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी वीजा रद्द कर दिए हैं, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, और उन्हें 29 अप्रैल तक वापस लौटने का निर्देश दिया है। आंकड़ों के अनुसार, अटारी सीमा से 680 से अधिक पाकिस्तानियों को वापस भेजा गया है। दयालु दृष्टिकोण का आह्वान करते हुए, मुफ्ती ने कहा कि दशकों से भारत में शांतिपूर्वक रह रहे व्यक्तियों को निर्वासित करना अमानवीय होगा। उन्होंने कहा कि हम सरकार से इस निर्णय पर पुनर्विचार करने और महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के संबंध में दयालु दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह करते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि भारत में दशकों से शांतिपूर्वक रह रहे लोगों को निर्वासित करना न केवल अमानवीय होगा, बल्कि इससे उन परिवारों पर गहरा भावनात्मक और शारीरिक संकट आएगा, जो अब अपने लिए कोई दूसरा घर नहीं जानते। आतंकवादी तंत्र पर कार्रवाई के तहत कथित आतंकवादियों के घरों को ध्वस्त करने के संबंध में मुफ्ती ने कहा कि केंद्र को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आम लोगों की संपत्ति नष्ट न हो।

पवन कल्याण का कांग्रेस पर निशाना, पाकिस्तान का समर्थन करने वाले नेताओं को भारत छोड़ देना चाहिए

-कांग्रेस नेता दर्दनाक हमले में भी राजनीति कर रहे

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और जनसेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण ने पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद कड़ा बयान देकर कहा है कि भारत में रहकर पाकिस्तान का समर्थन करना पूरी तरह अस्वीकार्य है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधकर कहा कि कुछ नेताओं के बयान देश की एकता और अखंडता के खिलाफ हैं और उन्हें पाकिस्तान जाकर बस जाना चाहिए।

पवन ने यह टिप्पणी तब की जब वे पहलगाम में मारे गए 26 नागरिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए सभा को संबोधित कर रहे थे। पवन कल्याण ने कहा, कश्मीर हमारा है। आतंकवाद को राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल करना शर्मनाक है। जो नेता पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं, उन्हें भारत छोड़ देना चाहिए।

पवन ने अपील की कि पहलगाम जैसे हमलों को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'देश आतंकवाद या किसी भी तरह की राष्ट्रविरोधी सोच को बर्दाश्त नहीं करेगा।'

जनसेना पार्टी ने पहलगाम हमले में मारे गए आंध्र निवासी मधुसूदन राव के परिवार को 50 लाख की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। राव अपने परिवार के साथ कश्मीर घूमने गए थे जब यह हमला हुआ। पवन कल्याण ने बताया कि जब वे राव की पत्नी से मिले, तब उन्होंने कहा, 'हम कश्मीर गए क्योंकि वहां भारत का हिस्सा है। हिंदुओं के लिए भारत ही एकमात्र देश है। हम और कहां जाएंगे?'

पहलगाम हमले पर अखिलेश ने सरकार से किए तीखे सवाल और बगैर नाम लिए निशिकांत को भी घेरा

लखनऊ (एजेंसी)। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से पर्यटकों की सुरक्षा व्यवस्था पर चिंता जताई और चार अहम सवाल पूछे हैं। इन सवालों के जरिए उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे को भी घेरने का काम किया है।

सपा सांसद अखिलेश यादव ने जो चार सवाल किए हैं वो खासे चुभने वाले हैं। दरअसल अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा है, कि पूछता है पहलगाम का पर्यटक-खतरों के बीच मेरी रक्षा करनेवाला कोई वहाँ क्यों नहीं था? कुछ ऐसे लोगों को सरकार चाक-चौबंद सुरक्षा क्यों देती है, जो बाद में ठग साबित होते हैं? संवेदनशील इलाकों में बिना जाँच-पड़ताल के किसी को सुरक्षा कैसे मिलती है? भाजपा नेताओं के निजी कार्यक्रमों में हजारों सुरक्षाकर्मी क्यों तैनात किए जाते हैं, जबकि आम पर्यटकों को उपेक्षित किया जाता है?

इसके साथ ही सपा नेता अखिलेश आगे लिखते

हैं कि ये अति गंभीर प्रश्न हैं। जिन्होंने अपने परिजनों को खोया है, उन पर भले दबाव डालकर बयान बदलवाए जाएं, लेकिन भाजपाइयों को याद रखना चाहिए कि बयान बदलवाने से सच नहीं बदलता।

पहलगाम आतंकी हमला: एक नजर

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में भारतीय वायुसेना के एयरमैन, खुफिया ब्यूरो के अधिकारी और दो विदेशी नागरिकों समेत दो दर्जन से ज्यादा लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। प्रारंभ में पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन टीआरएफ (द रेजिस्टेंस फ्रंट) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली, लेकिन बाद में वह अपने दावे से पलट गया। सूत्रों की मानें तो पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और शहबाज सरकार के दबाव के चलते टीआरएफ ने अपना बयान बदला है, जबकि वह पहले इस आतंकी हमले की जिम्मेदारी ले चुका था।

ये मणिपुर, कश्मीर या कुंभ मेला नहीं, तमिलनाडु की कानून व्यवस्था को लेकर खुद अपनी पीठ थपथपाते नजर आए स्टालिन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा सत्र के अंतिम दिन मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कानून और व्यवस्था पर अपनी सरकार के रिकॉर्ड का दृढ़ता से बचाव करते हुए घोषणा की कि राज्य में शांति द्रविड़ सरकार के मॉडल के तहत मजबूत पुलिसिंग का परिणाम है। सदन में बोलते हुए स्टालिन ने कहा कि उनके नेतृत्व में काम करने वाले पुलिस बल के लगातार प्रयासों के कारण तमिलनाडु एक धर्मनिरपेक्ष और शांतिपूर्ण राज्य बना हुआ है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य में शांति है, क्योंकि पुलिस विभाग मेरे अधीन है। जब राज्य में शांति होगी, तभी काम आगे बढ़ेगा, उद्योग फलेंगे-फूलेंगे, शिक्षा बढ़ेगी, महिलाएं और बच्चे आगे बढ़ेंगे, खेल विकसित होंगे, आयात-निर्यात बढ़ेगा, पर्यटन फलेगा-फूलेगा। तमिलनाडु में शांति का कारण मेरा पुलिस विभाग है। मैं, आप और तमिलनाडु के लोग इस उपलब्धि के लिए पुलिस बल

के सभी लोगों के हमेशा आभारी हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सार्वजनिक सौहार्द को बिगाड़ने के छिटपुट प्रयासों के बावजूद, राज्य के लोगों ने इस तरह के उकसावे का सफलतापूर्वक विरोध किया है। स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु में बड़े पैमाने पर सांप्रदायिक अधिकार, जाति दंगे या धार्मिक दंगे नहीं हो रहे हैं क्योंकि कानून और व्यवस्था नियंत्रण में है और तमिलनाडु शांतिपूर्ण है। अगर कोई दंगा भड़काने की कोशिश भी करता है, तो तमिलनाडु के लोगों ने उसे नाकाम कर दिया है। आलोचकों को कड़ी फटकार लगाते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य में कानून व्यवस्था की गिरावट के बारे में राजनीति से प्रेरित दावों की निंदा की। मैं उन लोगों से कहना चाहता हूं जो राजनीतिक लाभ के लिए छिपे एजेंडे के साथ बोलते हैं कि तमिलनाडु में कानून व्यवस्था बिगड़ गई है कि यह मणिपुर, कश्मीर या कुंभ मेला नहीं है, यहां मौतें हुई हैं। यह तमिलनाडु है, मत भूलिए। स्टालिन ने अपनी सरकार की उपलब्धियों को उजागर किया, बावजूद इसके कि उन्होंने कई कठिन बाधाओं का वर्णन किया। अपने प्रशासन पर पड़ने वाले दबाव का वर्णन करने के लिए एक ज्वलंत रूपक का उपयोग करते हुए उन्होंने कहा, 'ऊपर सांपों, नीचे भेड़ियों, बाधाओं के रूप में दीवारों और कूदने से रोकने के लिए खाई के बीच फंसे एक आदमी की तरह, हमारे पास एक तरफ केंद्र सरकार है, दूसरी तरफ राज्यपाल, वित्तीय संकट और इन सबके बीच, ऐसी उपलब्धियां हासिल की गईं।

गजनवी, गौरी और शाहीन सब पर भारी हमारी 'पृथ्वी-सेंकड' मिसाइल

-आधा पाकिस्तान दुनिया के नक्शे से हट जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान फिर अपनी मिसाइलों और परमाणु बम की धमकियों देने लगा है। पाकिस्तान के रेल मंत्री ने गजनवी, गौरी और शाहीन जैसी मिसाइलों का नाम लेकर भारत को डराने की कोशिश की, लेकिन धूत पाकिस्तानी मंत्री ये भूल गए हैं कि भारत के पास ऐसी मिसाइलें हैं जिनकी शक्ति पाकिस्तान की इन धमकियों से कहीं अधिक है? खासकर भारत की 'पृथ्वी-सेंकड' मिसाइल, जो पाकिस्तान की गजनवी मिसाइल से कहीं ज्यादा प्रभावी और घातक साबित हो सकती है।

गजनवी पाकिस्तान की एक शॉर्ट-रेंज बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसकी रेंज करीब 290-320 किलोमीटर है। इस मिसाइल को विशेष रूप से परमाणु हथियारों के लिए डिज़ाइन किया गया है। हालांकि, मिसाइल की सटीकता पर हमेशा सवाल उठते रहे हैं, और इसकी सीमित रेंज इसे भारत के साथ मुकाबले में कमजोर बनाती है। दूसरी ओर, पृथ्वी-सेंकड मिसाइल, जो भारत द्वारा पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक से विकसित की गई है, इसकी रेंज 350-500 किलोमीटर तक है और यह अत्यधिक सटीकता के साथ लक्ष्य को भेदने में सक्षम है। भारत के पास कई प्रभावशाली विकल्प हैं यदि पाकिस्तान 'गजनवी' का इस्तेमाल करता है। भारत के पास स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम और एस-400 जैसे अत्याधुनिक हथियार हैं, जो किसी भी मिसाइल को लांच होने से पहले ही नष्ट कर सकते हैं। इसके बाद भारत की पृथ्वी-सेंकड या अग्नि सीरीज की मिसाइलों का इस्तेमाल पाकिस्तान को सटीक जवाब देने के लिए किया जा सकता है।

'पृथ्वी-सेंकड' एक शॉर्ट-रेंज बैलिस्टिक मिसाइल है जो पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक पर आधारित है। इसकी रेंज 350-500 किलोमीटर तक है, जो पाकिस्तान के बड़े हिस्से को एक ही हमले में नष्ट करने के लिए पर्याप्त है। इसके साथ ही, इसकी सटीकता इतनी अधिक है कि एक मिसाइल की सटीक स्ट्राइक पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों को पूरी तरह से तबाह करने के लिए काफी है।

गजनवी का प्रयोग और उसका परिणाम

यदि पाकिस्तान गजनवी मिसाइल का इस्तेमाल करता है, तब भारत के पास तुरंत नष्ट करने के लिए एयर डिफेंस सिस्टम है। और यदि पाकिस्तान ने हमला किया, तब भारत की पृथ्वी-सेंकड मिसाइल पाकिस्तान के किसी भी सैन्य ठिकाने को सीधे निशाना बना सकती है। पाकिस्तान को यह समझना चाहिए कि भारत के पास ऐसी ताकत है जो उसकी किसी भी धमकी को नाकाम कर सकती है।

Marudharhind 24 NEWS

मरुधर विशेष

हिन्दुस्तान की नई आवाज

REGISTERED WITH THE REGISTRAR OF NEWSPAPER FOR INDIA

TATA PLAY Channel No. 2096
airtel digital TV Channel No. 1500
Jio Fiber Channel No. 1723
SITI Channel No. 425
GOOGLY TV Channel No. 208
eBaba Ent Channel No. 225
dailyhunt Channel No. 728
DTH LIVE TV Channel No. 618

M.: 9653906665, 9653905551, 8233333083
Website : www.marudharhindnew.com
E-mail : Marudharvishessh@gmail.com

जय श्री नाथ जी

राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं सामाजिक न्याय परिषद् भारत

Registered by NITI AAYOG Govt. of India

M.: 9653906665, 9653905551, 9458675505
Website : www.nationalhumanrights.in
E-mail : nationaltrust2019@gmail.com

परशुराम जयंती पर खैरथल में उमड़ा भक्ति का सैलाब बाइक रैली, कलश यात्रा और भव्य भंडारे के बीच भगवान परशुराम की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठित

अलवर न्यूज

टिंकू सैन खैरथल। मातौर रोड स्थित परशुराम भवन में मंगलवार को भगवान परशुराम जन्मोत्सव बड़े ही श्रद्धा, उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। इस मौके पर भगवान परशुराम की नवनिर्मित प्रतिमा का विधिवत हवन-पाठ के साथ प्राण-प्रतिष्ठा समारोह संपन्न हुआ। जयकारों और मंगल ध्वनियों से नगर का वातावरण भक्तिमय हो उठा।सुबह इस्माइलपुर रोड स्थित होटल ग्रीनलैंड के पास से भगवान परशुराम चौक से शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए परशुराम भवन तक विशाल बाइक रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। इसके बाद सुबह 8 बजे महिलाओं की ओर से पारंपरिक वेशभूषा में भव्य कलश

यात्रा निकाली गई तथा भगवान परशुरामजी नवनिर्मित प्रतिमा का नगर भ्रमण कराया गया, जिसने आयोजन की शोभा को और बढ़ा दिया।प्रातः 9:30 बजे सामूहिक हवन के बाद भगवान परशुराम की प्रतिमा की विधिवत स्थापना की गई।समारोह में मुख्य अतिथि के रूप रैणागिरी धाम के बेनामी पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी बालकादेवाचार्य जी महाराज व प्रदेश के वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शोभा विशिष्ट अतिथि बाबा महेशानन्द महाराज और युवा ब्राह्मण समाज जिला अध्यक्ष आकाश मिश्रा ने बढ़ाई। मुख्य अतिथि संजय शर्मा ने अपने संबोधन में समाज के सशक्तिकरण के लिए तीन महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जोर दिया,छात्रावास और लाइब्रेरी के लिए भूमि उपलब्धता,खैरथल ब्राह्मण समाज यदि विधिवत आवेदन करता है तो सरकार से छात्रावास एवं लाइब्रेरी हेतु जमीन उपलब्ध करवाने का प्रयास करेंगे।विप्र कल्याण कोष की स्थापना,इस कोष से निर्धन कन्याओं के विवाह एवं शिक्षा का खर्च गुप्त रूप से वहन किया जाएगा।सामूहिक विवाह कार्यक्रमों का आयोजन,समाज में एकरूपता और सहयोग की भावना को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक विवाह को प्रोत्साहित किया जाएगा।

समारोह के अंत में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी ब्रजनन्दन अवस्थी,संरक्षक शारदा अवस्थी और ब्राह्मण समाज खैरथल के अध्यक्ष रामसिंह शर्मा तथा महिला इकाई अध्यक्ष मीना शर्मा तथा समस्त कार्यकारिणी की विशेष भूमिका रही।

समीक्षा बैठक

राज्य सरकार जलवायु विकास एवं नेतृत्व के लिए प्रतिबद्ध : किरोड़ी लाल मीणा

परशुराम सेना संघ ने पहलगाम में आतंकी हमले के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

अलवर न्यूज

अलवर। श्री राष्ट्रीय परशुराम सेना संघ के द्वारा परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में गत दिनों पहलगाम आंतकी हमले में शहीद हुए हिंदुओ को कंपनी बाग स्थित शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान जिलाध्यक्ष, जयपुर संभाग मंत्री आर.के.व्यास ने बताया कि देश में तमाम जगह हो रहे हिंदुओं पर अत्याचारो की बड़ी वजह हिंदुओ का जाती विशेष में बंटा रहना है ।साथ ही श्री राष्ट्रीय परशुराम सेना संघ से जिलाध्यक्ष , जयपुर संभाग मंत्री आर.के.व्यास ने कहा कि आज हिंदू जात पात में न बटकर हिंदू हिंदू बनकर सनातन धर्म के 33 कोटि देवी - देवताओं के

पर्व हर्ष उल्लास के साथ एक मंच सांझा कर मनाए। जिससे सनातन धर्म मजबूत होगा। साथ ही आर के व्यास ने कहा की हिंदू अपने सोशल मीडिया पर नाम के हिंदू लगाना प्रारंभ करें ताकि एक नई सनातन क्रांति का जन्म होगा व देश विरोधियों के मनसुखे नाकाम होंगे । इस दौरान निशांत शर्मा, अक्छित इंदौरिया,सौरभ पंडित,जतिन भारद्वाज, सोनू जाट, अर्जुन, कुशाल आदि युवा मौजूद रहे।

गहलोत नहीं मनाएंगे जन्मदिन

गहलोत बोले- आतंकी हमले से सभी व्यथित, 3 मई को प्रशंसक कोई जश्न नहीं मनाएं

एजेंसी

जयपुर। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने पहलगाम आतंकी हमले का हवाला देते हुए इस बार 3 मई को जन्मदिन नहीं मनाएंगे। गहलोत ने सोशल मीडिया पोस्ट करके इस बार जन्मदिन नहीं मनाने की घोषणा की है। गहलोत के जन्मदिन पर हर साल कई तरह के आयोजन होते हैं। उनके बंगले पर भी प्रदेश भर से लोग मिलने आते हैं। गहलोत ने एक्स पर लिखा- पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले ने हम सभी को अंदर तक व्यथित कर दिया है। परिवार के साथ सुखद समय बिताने के उद्देश्य से गए लोगों के लिए यह यात्रा एक जीवन भर का दुख दे गई। अभी तक उन परिवारों की मनोस्थिति सोचकर

मन सिहर उठता है जिनके परिजनों को उनके सामने मार दिया गया। ऐसे समय में मैंने इस साल 3 मई को अपना जन्मदिन न मनाने का फैसला किया है। गहलोत ने लिखा- मेरी सभी प्रशंसकों और कार्यकर्ताओं से अपील है कि इस दिवस पर अगर आपने कोई कार्यक्रम प्रस्तावित किया है। मानवीय दृष्टिकोण रखते हुए इसे रक्तदान शिविर और सेवा कार्यों तक ही सीमित रखें। इसके अतिरिक्त किसी तरह का जश्न न मनाएं। यह उन सभी दिवंगत आत्माओं को मेरी विनम्र श्रद्धांजलि है और उनके परिवारों के प्रति एकजुटता का प्रतीक है। इस दुख की घड़ी में पूरा देश पीड़ित परिवारों के साथ है।

मरुधरहिंद 24 न्यूज़ प्राइवेट लिमिटेड के लिए महारानी प्रिन्टर्स 17 वैष्णोदेवी नगर कालवाड़ रोड़ जयपुर से मुद्रित,। मो. 9653906665, , (राजस्थान संपादक विशाल यादव 8875020583) (राजस्थान सहसंपादक सुनील कुमार 98878 77947) 7014373732